

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय
वर्ग नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह
ता:-11-01-2021 (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)
पाठ:एकादशः पाठनाम पर्यावरणम्

पाठ्यांश

कुक्कुरसूकरसर्पनकुलादिस्थलचरा , मत्स्यकच्छपमकरप्रभृतयो
जलचराश्चापि रक्षणीयाः,यतस्ते स्थलमलापनोदिनो जलमलापहारिणश्च
प्रकृतिरक्षयैव सम्भवति लोकरक्षेति न संशयः।

शब्दार्थाः -

कुक्कुरः- कुत्ता ,नकुलः -नेवला , सर्पः - सांप
स्थलचरः- पृथ्वी पर रहने वाले जीव , सूकरः-सूअर
मत्स्यः - मछली, कच्छपः -कछुआ, मकरः - मगरमच्छ
जलचरः- पानी में रहने वाला जीव,सम्भवति- संभव है
स्थलमलापनोदिनो-पृथ्वी की गंदगी को दूर करने वाले
लोकरक्षा – संसार की रक्षा

अर्थ

कुत्ते,सूअर, सांप,नेवले आदि स्थलचरों तथा मछली , कछुए,
मगरमच्छ आदि जलचरों को भी रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि ये
पृथ्वी तथा जल की मलिनता को दूर करने वाले हैं । प्रकृति की
रक्षा से ही संसार की रक्षा हो सकती है- इसमें सन्देह नहीं है ।